खबरों में रहे स्टॉक

अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज

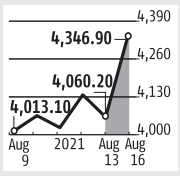

पहली तिमाही में 489 करोड़ रुपये का लाभ

₹ 4,060.2 पिछला बंद भाव
₹ 4,346.9 आज का बंद भाव

▲ 7.1 %

सुप्रजित इंजीनियरिंग

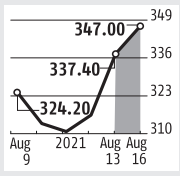

बेंगलूरु में नया प्रौद्योगिकी केंद्र खोला

₹ 337.4 पिछला बंद भाव
₹ 347.0 आज का बंद भाव

▲ 2.9 %

पूनावाला फिनकॉर्प

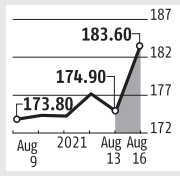

पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 71 फीसदी बढ़ा

₹ 174.9 पिछला बंद भाव
₹ 183.6 आज का बंद भाव

▲ 5.0 %

ग्रैविटा इंडिया

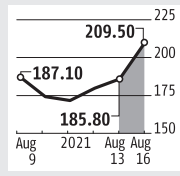

चित्तूर इकाई में क्षमता विस्तार किया

₹ 185.8 पिछला बंद भाव
₹ 209.5 आज का बंद भाव

▲ 12.7 %

ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स

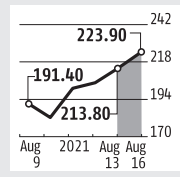

पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 145 फीसदी बढ़ा

₹ 213.8 पिछला बंद भाव
₹ 223.9 आज का बंद भाव

▲ 4.7 %

संक्षेप में

यूडीएफ में भारी बढ़ोतरी के प्रस्ताव का विरोध

फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) ने जीएमआर समूह द्वारा हवाईअड्डा आर्थिक नियामक प्राधिकरण (एईआरए) के समक्ष हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर प्रयोगकर्ता विकास शुल्क (यूडीएफ) सहित वैमानिकी शुल्क में बढ़ोतरी के प्रस्ताव का विरोध किया है। एईआरए ने पिछले महीने जीएमआर हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा लि. (जीएचआईएएल) के तीसरी नियंत्रण अवधि (अप्रैल, 2021 से मार्च, 2026) के दौरान शुल्कों में संशोधन के प्रस्ताव पर परिचर्चा पत्र जारी किया था। इस पर अंशधारकों से टिप्पणियां मांगी गई थीं। जीएचआईएएल इस हवाईअड्डे का प्रबंधन करती है। जीएमआर ने एक अक्टूबर से यूडीएफ को 281 रुपए से बढ़ाकर 608 रुपए करने का प्रस्ताव किया है। *भाषा*

सुपर ऐप की तैयारी में माईटीवीएस

भारत में 'सुपर ऐप' की दौड़ में शामिल ब्रांड माईटीवीएस ने घोषणा की है कि कंपनी सुपर ऐप पर कार्य कर रही है। माईटीवीएस ने डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने और विस्तार के लिए एक्सोर के प्रबंधन वाले एक फंड से 375 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एक्सोर इटली के एगनेली व्यावसायिक परिवार की होल्डिंग कंपनी है। माईटीवीएस के सुपर ऐप को टाटा ग्रुप, रिलायंस इंडस्ट्रीज, फोनपे, पेटीएम और गूगलपे की पेशकशों के बाद लाए जाने की योजना है। इन कंपनियों ने भी सुपर ऐप पेश करने की घोषणा की है। सुपर ऐप एक ऐसा मोबाइल ऐप्लीकेशन है जो एक ही जगह कई डिजिटल सेवाओं की अनुमति प्रदान करता है। *बीएस*

वोडा-आइडिया के लिए नई चिंता

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 4जी ग्राहकों का आधार खिसका

सुरजीत दास गुप्ता
नई दिल्ली, 16 अगस्त

- जून तिमाही में कंपनी के 4जी ग्राहकों की संख्या सालाना आधार पर करीब 10 लाख कम
- पूंजीगत खर्च में कमी के कारण कंपनी को हो रही परेशानी
- भारती ने 2जी ग्राहकों को 4जी में लाने की प्रक्रिया शुरू की

वित्तीय संकट से जूझ रही प्रमुख दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया की परेशानी थमती नहीं दिख रही है। अब उसके लिए एक नई चुनौती पैदा हो गई है। चालू वित्त वर्ष की पहली के दौरान कंपनी के 4जी ग्राहकों का आधार खिसकता दिखा। कंपनी अपने 2जी ग्राहकों को 4जी में अपग्रेड करने की लगातार कोशिश कर रही है ताकि प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) में सुधार हो सके। इसके बावजूद पहली तिमाही के दौरान उसके 4जी ग्राहकों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई।

आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2022 की पहली तिमाही के दौरान वोडाफोन आइडिया के 4जी ग्राहकों की संख्या में इससे पिछली तिमाही के मुकाबले करीब 10 लाख की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि हमेशा उम्मीद जताई गई थी कि भले ही उसके 2जी ग्राहकों की संख्या में तिमाही दर तिमाही तेजी से गिरावट दिख रही है लेकिन 4जी ग्राहकों पर कंपनी की पकड़ बरकरार है और उसमें वृद्धि (जो अधिक एआरपीयू सृजित करते हैं) हो रही है। वित्त वर्ष 2021 की पहली तिमाही में कंपनी के 4जी ग्राहकों की संख्या 10.5 करोड़ थी जो वित्त वर्ष 2021 की चौथी तिमाही में बढ़कर 11.4 करोड़ हो गई। जबकि इस दौरान कंपनी के 2जी ग्राहकों की संख्या 16.3 करोड़ से घटकर 14.4 करोड़ रह गई। लेकिन अब वह प्रक्रिया विपरीत गियर में दिख रही है। इतना ही नहीं कंपनी के ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या में भी गिरावट आई है। कंपनी के ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या वित्त वर्ष 2021 की चौथी तिमाही में 12.36 करोड़ थी जो घटकर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 12.14 करोड़ रह गई।

हालांकि प्रतिस्पर्धी कंपनी भारती एयरटेल ने यह सुनिश्चित किया है कि वह अपने अधिक से अधिक 2जी ग्राहकों को 4जी में स्थानांतरित करने में समर्थ है ताकि एआरपीयू को मजबूती मिल सके। वह ऐसा करने में सफल भी रही है। यही कारण है कि एयरटेल के 4जी ग्राहकों की संख्या वित्त वर्ष 2021 की पहली तिमाही में 28 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2022 की पहली तिमाही में 32.1 करोड़ हो गई। इस प्रकार इसमें करीब 15 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। समान अवधि में उसके 2जी ग्राहकों की संख्या 13.1 करोड़ से घटकर 12.8 करोड़ रह गई।

पिछले 18 महीनों से शुल्क दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। ऐसे में जो कंपनी तेजी से अपने 2जी ग्राहकों को 4जी में अपग्रेड करने अथवा 4जी ग्राहकों को हासिल करने में समर्थ होगी उसके एआरपीयू में सुधार होगा।

ऐसे में वोडाफोन आइडिया के 4जी ग्राहकों की संख्या में गिरावट क्या दर्शाती है? विश्लेषकों का कहना है कि इसके लिए पूंजीगत खर्च में कमी को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है जिसका उपयोग वोडाफोन आइडिया को अपने नेटवर्क को अपग्रेड करने के लिए करना था। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के अनुसार, वोडाफोन आइडिया के मामले में पूंजी तीव्रता यानी राजस्व के प्रतिशत में पूंजीगत खर्च में भारी गिरावट आई है।

वोडाफोन को लेकर विश्लेषकों ने चेताया

बाजार पर नजर रखने वाले विश्लेषकों ने वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) की पहली तिमाही के परिणाम के बाद उसकी कमजोर स्थिति को लेकर आगाह किया है। पहली तिमाही के परिणाम से कंपनी के ग्राहकों की संख्या में गिरावट, प्रति ग्राहक औसत राजस्व (एआरपीयू) में कमी, बिगड़ते नकदी प्रवाह एवं बही खाते संबंधी चिंताएं बढ़ने का संकेत मिलता है। कई विश्लेषकों ने कहा है कि आगामी भुगतान दायित्वों के बीच कंपनी की व्यवहार्यता के लिए सरकारी या नियामकीय मदद काफी महत्व रखती है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने अपने नोट में कहा कि उसे वीआईएल के लिए ऊंची जोखिम और काफी चिंता दिख रही है और बढ़ती अनिश्चितताओं के मद्देनजर, उसने वीआईएल के अनुमानों, रेटिंग और लक्ष्य मूल्य को आगे स्थिति स्पष्ट होने तक समीक्षा के तहत रखा है। उसने तेजी से बिगड़ते नकदी प्रवाह और बढ़ती देनदारियों को लेकर चिंता जताते हुए कहा, हमारा मानना है कि मौजूदा परिचालन से आगामी भुगतान दायित्वों के पूरा होने की संभावना नहीं है, और डिफॉल्ट के जोखिम से इनकार नहीं किया जा सकता है। *भाषा*

शिवा इंडस्ट्रीज मामले में अपील की तैयारी

देव चटर्जी
मुंबई, 16 अगस्त

शिवा इंडस्ट्रीज के शेयरधारक और भारतीय ऋणदाता एनसीएलटी के चेन्नई पीठ द्वारा दिए गए आदेश के खिलाफ अपील करने की योजना बना रहे हैं। चेन्नई पीठ के आदेश में कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया को वापस लिए जाने के अनुरोध को ठुकरा दिया गया, जबकि ऋणदाताओं की व्यावसायिक समझ को दरकिनार कर दिया।

एनसीएलटी ने कहा कि कंपनी में एक शेयरधारक आरकेसी वल्लाल द्वारा किया गया आवेदन आईबीसी की धारा 12ए के अनुरूप नहीं है और इसे परिसमपन के लिए कंपनी को भेजा गया है। सीओसी द्वारा स्वीकृत योजना के अनुसार, आईडीबीआई बैंक के नेतृत्व में भारतीय ऋणदाता अपने बकाया की सिर्फ 6 प्रतिशत वसूली कर पा रहे हैं। ऋणदाताओं ने एनसीएलएटी जाने की योजना बनाई है, क्योंकि एनसीएलटी ने प्रवर्तकों द्वारा एकमुश्त निपटान के प्रस्ताव पर वोटिंग नहीं करने और प्रस्ताव को एनसीएलटी के हिसाब से स्वीकार नहीं करने के लिए बैंकों की आलोचना की है। साथ ही वल्लाल द्वारा पिछले एनसीएलएटी निर्णयों पर निर्भर रहने की संभावना है, जिनमें उनके जैसी समान याचिकाओं को ट्रिब्यूनल द्वारा स्वीकार किया गया था और एनसीएलटी आदेश पर रोक लगाई गई थी।

कानूनी विश्लेषकों का कहना है कि संयुक्त अरब अमीरात स्थित मस्डार और आईएआरसी की मौजूदा समय में शिवा इंडस्ट्रीज के 4,864 करोड़ रुपये के ऋण में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी है और पीएसयू बैंकों का 3,442 करोड़ रुपये निवेश है। प्रस्ताव पर वोटिंग संबद्ध बैंकों के बोर्ड द्वारा एकमुश्त निपटान के तौर पर 328 करोड़ रुपये स्वीकार करने के प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद पूरी हो गई थी। रॉयल पार्टनर्स इन्वेस्टमेंट फंड की पेशकश को बैंकों के पक्ष में नहीं पाए जाने के बाद शिवा इंडस्ट्रीज को 5 जुलाई, 2019 में दिवालिया अदालत में स्वीकार किया गया था। वल्लाल आरसीके ने जब पिछले साल 31 अगस्त को एनसीएलटी-चेन्नई में आवेदन कर सीओसी को प्रवर्तक द्वारा की गई एकमुश्त निपटान पेशकश पर विचार करने को कहा था। पिछले साल अक्टूबर में, एनसीएलटी ने रिजॉल्यूशन पेशेवर को ओटीएस पर विचार करने के लिए सीओसी की बैठक बुलाने का निर्देश दिया था। इस साल अप्रैल में, सीओसी ने ओटीएस को मंजूरी दी थी और दिवालिया प्रक्रिया वापस लिए जाने के लिए आईबीसी के तहत आवेदन के लिए आईडीबीआई बैंक द्वारा रिजॉल्यूशन पेशेवर अधिकृत किया गया था।

ओमेक्स ऑटोज लिमिटेड OMAX

पंजीकृत व कारपोरेट कार्यालयः प्लाट नं. बी-26, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-32, गुरुग्राम, हरियाणा-122001
सीआईएनः L30103HR1983PLC026142, वेबसाइटः www.omaxauto.com
ईमेलः investors@omaxauto.com, फोनः +91-124-4343000, फैक्सः +91-124-2580016

30 जून, 2021 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण (रु. लाखों में)

	विवरण	समाप्त तिमाही के लिए			समाप्त वर्ष
		30 जून, 2021 (अलेखापरीक्षित)	31 मार्च, 2021 (लेखापरीक्षित)	30 जून, 2020 (अलेखापरीक्षित)	31 मार्च, 2021 (लेखापरीक्षित)
1	प्रचालनों से कुल आय	4092.51	5,817.17	2,398.71	16,148.51
2	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, विशिष्ट और/या असाधारण मदों के पूर्व)	(822.62)	(1,683.48)	(1,570.77)	(5,935.18)
3	कर पूर्व अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (विशिष्ट और/या असाधारण मदों के पश्चात)	(822.62)	3,097.42	(1,570.77)	(1,154.28)
4	कर पश्चात अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (विशिष्ट और/या असाधारण मदों के पश्चात)	(615.34)	2,018.96	(1,091.49)	(1,010.38)
5	अवधि के लिए कुल समग्र आय (अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर पश्चात) और अन्य समग्र आय (कर पश्चात)	(519.52)	2,032.87	(1,122.08)	(859.82)
6	इक्विटी शेयर पूंजी	2,138.82	2,138.82	2,138.82	2,138.82
7	प्रति शेयर अर्जन (चालू और बंद प्रचालनों के लिए) – (रु. में) मूल/तरल (वार्षिकीकृत नहीं)	(2.88)	9.44	(5.10)	(4.72)

नोटः–

ए) उपर्युक्त सेबी (सूचीबद्ध और अन्य प्रकटन आवश्यकताएँ) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज (ओं) में पेश किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत रूप का सार है। तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत पूर्ण रूप स्टॉक एक्सचेंज(ओं) की वेबसाइट http://www.bseindia.com और www.nseindia.com और कंपनी की वेबसाइट www.omaxauto.com पर उपलब्ध है।

कुल अन्य समग्र आय

विवरण	समाप्त तिमाही के लिए			समाप्त वर्ष
	30 जून, 2021 (अलेखापरीक्षित)	31 मार्च, 2021 (लेखापरीक्षित)	30 जून, 2020 (अलेखापरीक्षित)	31 मार्च, 2021 (लेखापरीक्षित)
अन्य समग्र आय				
(i) मद जो लाभ और हानि में पुनर्वर्गीकृत नहीं होंगे				
(ए) परिभाषित हितलाभ योजनाओं का बीमांकक लाभ/हानियाँ	-	196.20	-	117.49
(बी) उपर्युक्त पर कर प्रभाव	-	(49.38)	-	(29.57)
(ii) मदों से संबंधित आयकर जो लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत नहीं होंगे				
(ए) डेरीवेटिव हैजिंग इंस्ट्रूमेंटों पर मूल्यांकन लाभ/(हानि)	31.83	(177.61)	(40.88)	83.71
(बी) उपर्युक्त पर कर प्रभाव	(8.01)	44.70	10.29	(21.07)

स्थानः गुरुग्राम
दिनांकितः 14.08.2021

ह्रिते ओमेक्स ऑटोज लिमिटेड
ह्स्ता./–
तविंदर सिंह
पूर्णकालिक निदेशक
(डीआईएनः 01175243)

उत्तर प्रदेश राज्य चीनी निगम लि०

(उ.प्र. सरकार का एक उपक्रम)
विपिन खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ-226010
फोन : 0522-2307826/28 फैक्स : 2307895 टोल फ्री : 1800-212-3203
Email : upstatesugarcorporation@gmail.com, www.upsugcorp.com

एसएस/एस.एस.सी./चीनी निर्यात /640 दिनांक : 16.08.2021
निविदा आई.डी. नं.-2021-यू.पी.एस एस.सी.-606493-1

निविदा विस्तारीकरण सूचना

समस्त संबंधित को सूचित किया जाता है कि कार्यालय के पत्र सं एसएस/एसएससी/निर्यात/2020-21/511 दिनांक 27.07.2021 द्वारा निगम की मोहिउद्दीनपुर, पिपराईच एवं मुण्डेरवा चीनी मिलों में सत्र 2019-20 एवं 2020-21 में उत्पादित चीनी के निर्यात हेतु निविदायें दिनांक 13.08.2021 को सायं 6.55 बजे तक आमंत्रित की गई थी। निविदा प्राप्त होने की तिथि दिनांक 13.08.2021 तक मात्र दो निविदायें प्राप्त हुई है जिसके कारण उक्त हेतु गठित समिति द्वारा निविदा प्राप्त होने की तिथि दिनांक 18.08.2021 को सायं 6.55 तक विस्तारित किये जाने का निर्णय लिया गया। निविदा दिनांक 19.08.2021 को मध्यान्ह 12.00 बजे खोली जायेगी तथा अपरान्ह 2.00 बजे वित्तीय निविदा खोली जायेगी। निविदा की अन्य नियम व शर्ते पूर्ववत रहेंगी।

प्रधान प्रबन्धक (विक्रय)

परिशिष्ट IV
देखें नियम 8(1)
कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, **2002** के अंतर्गत और नियम **3** के साथ धारा **13(12)** के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **भारती मेहरा, दक्ष ट्रेडकॉम प्रा.लि. और विजय ग्रोवर (गारंटर)** को **19.12.2019** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLRHN00218815** की राशि **रू.26,11,411/- (रुपए छब्बीस लाख ग्यारह हजार चार सौ ग्यारह मात्र)**और **17.12.2019** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **4** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वियन करके **11.08.2021** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य कर** लिया है।

विशेषतः कर्जदारों और सामान्यतः जनता को एतत्द्वारा संम्पति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा **राशी रू.26,11,411/- (रुपए छब्बीस लाख ग्यारह हजार चार सौ ग्यारह मात्र) 17.12.2019** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा

उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

आवासीय संपत्ति नं.-55/9, पहली मंजिल, मापित 71.83 स्के.मी., कुल प्लिन्थ एरिया 287.32 स्के.मी.,बिना रूफ राइट्स के ऑल्ड राजेन्दर नगर में स्थित, नई दिल्ली, उप रजीस्ट्रार III- के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत, नई दिल्ली

सही/-
दिनांक :11.08.2021 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : नई दिल्ली इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कम ब्रांड, अधिक मॉडल पर एमऐंडएम का जोर

शैली सेठ मोहिले
मुंबई, 16 अगस्त

प्रमुख वाहन कंपनी महिंद्रा ऐंड महिंद्रा (एमऐंडएम) बेहतर ब्रांड आर्किटेक्चर के साथ प्रतिस्पर्धी स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) बाजार में अपनी दमदार वापसी करने के लिए तैयार है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंपनी के पास कुछ ही दमदार ब्रांड होंगे और वह नए मॉडल लॉन्च करने के बजाय ब्रांड को नए सिरे से स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। ब्रांड में विस्तार के जरिये कंपनी अपनी अलग पहचान बनाएगी। एमऐंडएम के कार्यकारी निदेशक (ऑटोमोटिव एवं फार्म सेक्टर) राजेश जेजुरिकर ने कहा, 'अब हम नेमप्लेट्स और ब्रांड आर्किटेक्चर पर कहीं अधिक केंद्रित रणनीति पर अमल करेंगे। हमारे एक अनुसंधान से पता चला है कि एक ही ब्रांड के तहत अलग-अलग सुविधाओं के जरिये आप विभिन्न प्रकार के ग्राहक प्रोफाइल को आपूर्ति कर सकते हैं।'

पेज इंड.: वृद्धि रफ्तार की दरकार

राम प्रसाद साहू
मुंबई, 16 अगस्त

- अगले कुछ वर्षों के लिए आय अनुमान में 5 से 17 फीसदी की कटौती
- मूल्यांकन वित्त वर्ष 2023 के प्रति शेयर आय अनुमान के मुकाबले 61 गुना अधिक

चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में पेज इंडस्ट्रीज का वित्तीय प्रदर्शन बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा और शुक्रवार को कंपनी के शेयर में 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। वृद्धि के मोर्चे पर कंपनी अपने प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन कर रही है। इसके अलावा कंपनी मेन्स इनरवियर के अपने प्रमुख पोर्टफोलियो में वृद्धि संबंधी चिंताओं से जूझ रही है।

इन चिंताओं के कारण अगले कुछ वर्षों के लिए आय अनुमान में 5 से 17 फीसदी की कटौती की गई है। इसके अलावा मूल्यांकन काफी महंगा हो गया है जो वित्त वर्ष 2023 के प्रति शेयर आय अनुमान के मुकाबले 61 गुना अधिक है। इस प्रकार कैलेंडर वर्ष 2021 के आरंभ के बाद इस शेयर ने कमजोर प्रदर्शन किया और निकट भविष्य में भी उसकी कमजोरी बरकरार रहने की आशंका है।

इस शेयर के लिए तात्कालिक नकारात्मक धारणा जून तिमाही में उसके परिचालन प्रदर्शन को लेकर है। हालांकि भारत में जॉकी ब्रांड के विशेष लाइसेंसधारी के लिए बिक्री में वृद्धि मुख्य तौर पर एक साल पहले की समान अवधि में 70 फीसदी वॉल्यूम ग्रोथ से संचालित हुई। ऐसा कमजोर आधार पर दिखा और कोविड की दूसरी लहर ने कारोबार को बुरी तरह प्रभावित किया। ऐसे में पहली तिमाही के दौरान कंपनी की बिक्री घटकर लगभग आधी रह गई। क्रमिक आधार पर बिक्री एवं वॉल्यूम दोनों में 43 से 45 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के अनुसार, सालाना आधार पर राजस्व वृद्धि 76 फीसदी थी लेकिन वह 26 फीसदी के राजस्व अनुमान से चूक गई। कुल मिलाकर राजस्व वित्त वर्ष 2020 की पहली तिमाही के मुकाबले 40 फीसदी कम रहा। कम परिचालन लीवरेज और अन्य खर्च में तेजी के कारण क्रमिक आधार पर मार्जिन 240 अपाधार अंक घटकर 6.8 फीसदी रह गया।

इस तिमाही के दौरान ई-कॉमर्स चैनल में वृद्धि (सालाना आधार पर 2.5 गुना वृद्धि) सकारात्मक बात रही। कंपनी की कुल बिक्री में इसका योगदान अब 19 फीसदी हो चुका है जो वित्त वर्ष 2021 में 7.4 फीसदी था। कंपनी ने संकेत दिया था कि जुलाई में सुधार होने के साथ ही स्थिति बेहतर होगी और यह अप्रैल के प्रदर्शन के समान है। प्रबंधन का मानना है कि स्थिति में सुधार होने के साथ ही मार्जिन भी 21 फीसदी के स्तर पर लौट सकता है।

हालांकि जून में सुधार दिखा लेकिन विश्लेषकों ने बताया कि तिमाही के दौरान प्रतिस्पर्धा कहीं बेहतर रही जिसे अटकी हुई मांग से बल मिला। उदाहरण के लिए, इनवियर श्रेणी में आदित्य बिड़ला फैशन ऐंड रिटेल की बिक्री एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले दोगुनी हो गई और वह कोविड-पूर्व स्तर से भी अधिक दर्ज की गई। डॉलर इंडस्ट्रीज ने सालाना आधार पर 28 फीसदी की वृद्धि दर्ज की जो वित्त वर्ष 2020 की पहली तिमाही के मुकाबले 88 फीसदी है। इसी प्रकमार लक्स इंडस्ट्रीज ने एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 32 फीसदी की वृद्धि दर्ज की।

बिज़नेस स्टैंडर्ड
दिल्ली संस्करण

बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस (प्रा.) लिमिटेड, ए-8, सेक्टर-7, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर-201301, उ. प्र. से मुद्रित एवं नेहरु हाउस, 4 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित

संपादकः कैलाश नौटियाल

आरएनआई न० WBHIN/2008/24333
पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं।
टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600 फैक्स- 033-22101599
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए कृपया संपर्क करें..
सुश्री मानसी सिंह
हेड कस्टमर रिलेशन्स
बिज़नेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंजिल, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, सेंचुरी मिल्स के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई 400 013
ई मेल.. subs_bs@bsmail.in
या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS

डिसक्लेमर.. बिज़नेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कॉर्पोरेट जगत और सरकार से जुड़ी घटनाओं की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड कोई ज़िम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के सभी विज्ञापन सद्भाव में स्वीकार किए जाते हैं। इनके साथ बिज़नेस स्टैंडर्ड न तो जुड़ा हुआ है और न ही उनका समर्थन करता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार का दावा संबंधित विज्ञापनदाता से ही किया जाना चाहिए। मै० बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा० लि० का सर्वाधिकार सुरक्षित है। बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा० लि० से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस तरह का निषिद्ध एवं अनधिकृत कार्य करने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरु की जाएगी।

कोई हवाई अधिभार नहीं

कब्जा सूचना

जबकि, असेट रिकंस्ट्रक्शन कम्पनी (इंडिया) लिमिटेड (आर्सिल) के प्राधिकृत अधिकारी ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अधीन मांग सूचनाएं जारी की थीं, जिनमें निम्नलिखित कर्जदारों से उक्त सूचनाओं में उनके संबंधित नाम के सामने वर्णित राशियां, उन पर लागू दरों पर ब्याज के साथ, उक्त सूचनाओं की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर, आगे भुगतान तथा/अथवा वसूली की तिथि तक लागू अनुसार ब्याज, उपगत किए गए अनुषंगी खर्चे, लागतें, प्रभार इत्यादि चुकाने की मांग की गई थी।

क्र. सं.	कर्जदार का नाम/सह-कर्जदार का नाम/ऋण खाता संख्या	कुल बकाया राशि (रू. में)/नियत तिथि	कब्जा की तिथि एवं प्रकार
1	श्रीमती पूरन देवी / श्री पुरूषोत्तम सिंह / एसएलपीएचएजीआरए0000055	रु. 1216420.39/- 05/02/2018 तक	भौतिक 12/08/2021

सम्पत्ति का वर्णन : मकान जो कि खसरा नं. 462 के प्लाट पर स्थित है मित्रपुरम कॉलोनी, कहरई मोड़, शमशाबाद रोड, ताजगंज वार्ड, आगरा, उत्तर प्रदेश में श्रीमती पूरन देवी के नाम से है। जिसकी माप 82.77 वर्ग मी. है। सीमाएँ – पूर्व : दीगर प्लाट, पश्चिम : बबलू का घर, उत्तर : दीगर प्लाट, दक्षिण : 18 फीट चौड़ी सड़क ।

जबकि इसमें ऊपर वर्णित कर्जदार बकाया राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदारों को विशेष रूप से और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि आर्सिल के अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अधीन उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां ऊपर वर्णित संपत्तियों/प्रतिभूत आस्तियों का **भौतिक कब्जा** उपरिवर्णित तिथियों को प्राप्त कर लिया है। विशेष रूप से ऊपर वर्णित कर्जदारों तथा जनसाधारण को उपरोक्त संपत्तियों/प्रतिभूत आस्तियों के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है और उपरोक्त संपत्तियों/प्रतिभूत आस्तियों के संबंध में कोई भी संव्यवहार आर्सिल के प्रभार के अधीन होगा।

स्थान : आगरा, उत्तर प्रदेश हस्ता./– प्राधिकृत अधिकारी
तिथि : 17-08-2021 असेट रिकंस्ट्रक्शन कम्पनी (इंडिया) लिमिटेड

Arcil Premier ARC
असेट रिकंस्ट्रक्शन कम्पनी (इंडिया) लिमिटेड
सीआईएन : U65999MH2002PLC134884, वेबसाइटः www.arcil.co.in
पंजीकृत कार्यालय : दि रूबी, 10वां तल, 29, सेनापति बापट मार्ग, दादर (पश्चिम), मुंबई-400028, फोन : + 91 2266581300
शाखा पता : यूनिट नंबर 1008, 11 वीं मंजिल, वेस्ट एंड मॉल, जनकपुरी जिला केंद्र, नई दिल्ली-110058, फोन : 9289119262 – 67

केयर्न मामला वेदांत के नतीजे पर टिका

दिलाशा सेठ और ज्योति मुकुल
नई दिल्ली, 16 अगस्त

केयर्न एनर्जी पर पूर्ववर्ती प्रभाव से कर लगाने के मामले में केंद्र सरकार की तरफ से